हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार 9 जून 2026

9 गर्मी ने बदला लोगों की खरीदारी का ट्रेंड, एसी की मांग तेजी से बढ़ी

10 सिरसा में कई कॉलोनियों में नहीं पहुंच रहा पानी

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी में मुख्य सप्लायर को किया काबू

फतेहाबाद। बस अड्डा चौकी फतेहाबाद पुलिस ने हेरोइन बरामदगी के एक मामले में मुख्य सप्लायर को काबू किया है। पुलिस ने एमपी रोही रोड स्थित ढाणी खजूरी जाटी निवासी शक्ति सिंह को गिरफ्तार कर उसके ब्जे से 1,500 रुपये की नगदी भी बरामद की है। बस अड्डा चौकी प्रभारी पीएसआई सुमित ने बताया कि यह कार्रवाई थाना शहर फतेहाबाद में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले की जांच के दौरान अमल में लाई गई।

संस्था ने 30 जरूरतमंदों को मासिक पेंशन के चेक बांटे

फतेहाबाद। सरबत दा भला संस्था द्वारा आज 30 जरूरतमंदों को पेंशन के चेक वितरित किए गए। संस्था की लाभ हानि रहित सन्नी ओबेरॉय लैब डॉ. बजाज दांतों के अस्पताल में ऑल इंडिया अरोड़ा पंजाबी कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहब दयाल वधवा, प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश चुघ, जोगिंदर जुनेजा, डॉ. सुमन बजाज, पूर्व एसएमओ डॉ. अवतार बजाज ने अपने कर करकमलों से यह चैक वितरित किए।

युवक 597 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने 597 ग्राम अफीम सहित एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में एमपी रोही के पीर बाबा रोड स्थित ढाणी निवासी रमेश चन्द्र उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया है। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पुलिस टीम गश्त एवं अपराध रोकथाम के उद्देश्य से क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार परक कर्रवाई की।

पगड़ी संभाल जटा संगठन ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद। पगड़ी संभाल जटा संगठन ने किसान नेता मनजीत सिंह के नेतृत्व में सोमवार को एसडीएम टोहाना के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन कृषि विभाग के एसडीओ मुकेश मेहला को दिया गया है। संगठन ने भगत सिंह चौक के पुन निर्माण और वन विभाग की जमीन पर दिनदिहाड़े 18 पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए है।

नगर परिषद ने चलाया विशेष सफाई अभियान

सिरसा। नगर परिषद द्वारा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया। यह अभियान पटेल चौक से रामनगरिया पेट्रोल पंप तक चलाया गया, जिसके तहत सफाई कर्मचारियों ने सड़क किनारे जमा कचरा, मिट्टी एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को हटाकर क्षेत्र की सफाई की।

जनपरिवाद बैठक में 13 में से 8 मामलों को मंत्री ने किया फाइल

कुत्तों के विवाद में अपहरण का केस कैसे दर्ज हुआ, एसएचओ को फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला लोक सम्पर्क एवं जनपरिवाद की बैठक में सोमवार को उस समय माहौल गरमा गया जब फतेहाबाद के योग नगर निवासी गुरप्रीत कौर ने शिकायत रखी कि उसके पड़ोस में रहने वाले कांक्षिक नागपाल ने उसके साथ अभद्र व्यवहार किया व मुंह पर काले रंग का मास्क पहनकर गलत नजर से देखा। इतना ही नहीं शिकायतकर्ता का आरोप है कि युवक अपने आप को वकील तो कभी एनजीओ का कार्यकर्ता कहता है। पिछले दिनों गली के कुत्तों को लेकर हुई लड़ाई में उसने पुलिस को शिकायत की और उसके पिता पर ही अपहरण का केस दर्ज करवा दिया। शिकायतकर्ता का कहना है कि दरअसल उसके पिता ऑटो मार्किट में काम करते हैं और आरोपी युवक को समझाने के लिए ऑटो मार्किट लेकर गए थे। इस पर कृष्ण बेदी ने दूसरे पक्ष की एक न सुनते हुए एसएचओ सुरेन्द्रा को फटकार लगाई और साथ बैठी एसपी निकिता खट्टर को कहा कि ऐसे कैसे अपहरण का केस दर्ज हो गया। एसआईटी बनाकर इस मामले की जांच की जाए और अगली बैठक में पूरी रिपोर्ट रखी जाए। बैठक में कुल 13 मामले रखे गए थे, जिनमें से 8 मामले फाइल कर दिए गए।

फतेहाबाद। ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में शिकायतें सुनते कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

मंच पर जुटे दिग्गज, बढ़ी सियासी चर्चाएं

डीपीआरसी हाल में आयोजित ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के साथ मंच पर पूर्व विधायक दूड़ाराम और रतिया से पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा के आने से सियासी हलचल बढ़ गई। दोनों पूर्व विधायकों को पहली पंक्ति में मंत्री के साथ बैठाया गया। हालांकि, पहले पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा को कुछ देर तक खड़ा रखा और बाद में कुर्सी मंगवाकर उनको बैठाया गया। इनके अलावा फतेहाबाद से कांग्रेस विधायक बलवान सिंह दौलतपुर, कांग्रेस से निलंबित विधायक जरनैल सिंह और हरियाणा किसान कल्याण समिति के चेयरमैन राजपाल बेनीवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा मंच पर दिखे।

शिकायतकर्ता पर ही एफआईआर के आदेश

प्रार्थी गांव बन मंढोरी निवासी राकेश कुमार ने गांव में अवैध स्कूल चलने की शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता मीटिंग में गैर-हाजिर रहा। डीईईओ अनिता बाई ने रिपोर्ट दी कि मौका निरीक्षण में स्कूल बंद मिला। इस पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए उल्टा शिकायतकर्ता पर ही केस दर्ज करने के निर्देश दे दिए।

जहरीले पानी की शिकायत पर नसीहत

समस्त ग्रामवासी पीलीमन्दौरी की ओर से नहर में सेम का जहरीला पानी डालने की शिकायत थी। जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन ने बताया कि गांव के पानी का टीडीएस 240 आया है, जो पीने योग्य है। इस पर मंत्री ने शिकायतकर्ता को फटकार लगाते हुए कहा, जब टीडीएस सही है तो शिकायत में जहरीला शब्द क्यों लिखा। मंत्री ने शब्दों के चयन में सावधानी बरतने की नसीहत दी और शिकायत फाइल कर दी।

ग्रामीण नहीं आए तो काम रोक दो

प्रार्थी सुन्दर सिंह पुत्र कृष्ण कुमार निवासी बड़ोपल ने नहरी पाइपलाइन में गड़बड़ी की शिकायत रखी थी। विभाग ने 70 प्रतिशत काम पूरा होने की बात कही। मंत्री ने शिकायतकर्ता से कहा कि अगली बार गांव के 20-25 लोगों को साथ लेकर आना ताकि काम की तस्दीक हो सके। प्रार्थी के मना करने पर मंत्री भड़क गए और बोले, काम रोक दो, अगर गांव वाले नहीं आ सकते तो उन्हें काम की जरूरत नहीं है। बाद में विधायकों के हस्तक्षेप पर मंत्री शांत हुए और काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

धरना हटाओ, तभी होगा समाधान

बैठक में गांव चांदपुरा के सरपंच ने चांदपुरा टिब्बा फीडर को म्योंदकलां 33 केवी बिजलीघर से जोडने की मांग रखी। बिजली निगम के एक्सईएन ने बिजलीघर पर चल रहे ग्रामीणों के धरने का जिक्र किया। इस पर मंत्री गर्म हो गए और दो टूक कहा, अगर धरना लगा है तो समाधान नहीं होगा। पहले धरना हटाओ। सरपंच की सहमति के बाद मंत्री ने एसडीएम टोहाना के नेतृत्व में कमेटी बनाकर समाधान के निर्देश दिए।

इन मामलों पर भी हुई सुनवाई

- **बैंक फ्रॉड** : प्रार्थी सतनाम सिंह पुत्र गुरमेल सिंह निवासी रत्ता थेह के खाते से हुए फ्राड मामले में 1.91 लाख रुपये वापस आ चुके हैं। शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर मामला फाइल हुआ।
- **अवैध कॉलोनी मामला** : प्रार्थी कुलवन्त सिंह सैनी की रतिया में अवैध कॉलोनी से जुड़ी शिकायत शिकायतकर्ता के न आने पर पेंडिंग रखी गई।
- **मेडिकल रिपोर्ट तलब** : प्रार्थी सुरेन्द्र सिंह पुत्र भागचन्द निवासी गांव ढाणी सांचला की नीचे लटकती तारों की समस्या हल हो गई। लेकिन एसडीओ के गैर-हाजिर रहने और एक्सीडेंट का हवाला देने पर मंत्री ने डीसी को उनकी मेडिकल रिपोर्ट जांचने के निर्देश दिए।
- **तारों का जंजाल** : प्रार्थीगण समस्त वार्ड नं0 01 आफिसर कालोनी भूना की शिकायत पर मंत्री ने एक्सईएन को फटकारते हुए तुरंत मौके का निरीक्षण कर पोल हटाने के निर्देश दिए।
- **यह मामले सुलझे** : प्रार्थी संदीप कुमार निवासी जांडली कलां की पेयजल शिकायत, प्रार्थीया बबीता पत्नी विजय कुमार निवासी गांव गाजुवाला के क्रॉस केस का मामला, कुदनी, टोहाना रोड पर अवैध प्रवेश बिंदू का मामला, और प्रार्थी लीलूराम पुत्र चन्दुराम निवासी बरोटा का नहरी खाल का मामला सुलझाया।

किसानों ने विभागीय लापरवाही पर जताया रोष, दी आंदोलन की चेतावनी

टेल तक नहीं पहुंच पा रहा पानी, बार-बार टूट रही नहरें

सिरसा। कागदाना रोड पर गिगोरानी माइनर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

सिरसा और ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र में किसानों के खेतों तक अंतिम छोर तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए सरकार ने व्यापक स्तर पर कर्मचारियों की तैनाती कर रखी है। क्षेत्र की शेरावाली, बनमंदोरी, सिरसा मेजर, कुतियाना नहर, शहीदावाली, कुमथला, चिकनी ढॉब, मिठी सुरेरा, मिठनपुरा, कर्मशाला, कंवरपुरा, खाजा खेड़ा, कसुंबी, मोचीवाली नेहराना, रामपुरा, गिगोरानी, फतेहाबाद ब्रांच खेड़ी माइनर, नेहराना, पीली मंदोरी और मेहूवाला हेड से किसानों तक पानी पहुंचाने के लिए 14 कनिष्ठ अभियंता, 51 बेलदार, 38 केनाल गार्ड, 7 मेट, 3 गेज रीडर, एक राजमिस्त्री और एक अर्थवर्क मिस्त्री की जिम्मेदारी लगाई गई है। किसानों का आरोप है कि कर्मचारियों की ड्यूटी में लापरवाही और निगरानी के अभाव के कारण बाराबंदी के दौरान नहरें और माइनर बार-बार टूट रही हैं और अंतिम छोर पर स्थित किसानों के खेत सिंचाई से वंचित रह जाते हैं।

आरोप : सिंचाई विभाग अस्थायी मरम्मत तक सीमित

किसानों का कहना है कि हर बार पानी छोड़े जाने पर किसी न किसी स्थान पर माइनर टूट जाती है, लेकिन सिंचाई विभाग स्थायी समाधान करने के बजाय केवल अस्थायी मरम्मत तक सीमित रहता है। किसान रोहतास, राजेंद्र सिंह और रोहताश ने बताया कि कई स्थानों पर बेलदार नियमित रूप से मौजूद नहीं रहते। इसका फायदा उठाकर कुछ लोग पाइप लगाकर पानी की चोरी कर लेते हैं। वहीं माइनरों में उगी घास और जमा कचरे की समय पर सफाई नहीं होने से पानी का प्रवाह बाधित होता है। किसानों ने सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि प्रशासन और विभाग ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

लोगों ने खुद के पैसे से बनवाई दो गलियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

ग्लोबल स्पेस में बिल्डर और प्रशासन की बड़ी लापरवाही के खिलाफ स्थानीय निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा है। मूलभूत सुविधाओं के लिए सालों से तरस रहे निवासियों ने अब सिस्टम के भरोसे बैठने के बजाय आत्मनिर्भरता का रास्ता चुना है। कंपनी के अड़ियल रवैये से परेशान होकर यहां के वासियों ने अपनी खून-पसीने की गाढ़ी कमाई से एक नहीं, बल्कि दो-दो नई गलियों का निर्माण खुद करवा कर प्रशासन के मुंह पर करारा तमाचा जड़ा है। कॉलोनी की ग्लोबल वेलफेयर एसोसिएशन ने समाज को बड़ा संदेश देते हुए इन दोनों नई गलियों का भव्य शुभारंभ किसी नेता से न करवाकर, महिला शक्ति के हाथों करवाया। निवासियों ने एकता की मिसाल पेश करते हुए एक गली का नामकरण इलाके के स्व. सरदार सागर सिंह के नाम पर कर उन्हें अनोखी श्रद्धांजलि दी। इससे पहले भी निवासी अपने पैसों से दो गलियां बनवा चुके हैं और पूरी कॉलोनी को सुंदर बनाने के लिए स्ट्रीट लाइटों पर फैंसी स्ट्रिप लाइटें भी अपने खर्च पर लगवा चुके हैं।

किसानों ने भूना तहसील कार्यालय पर किया प्रदर्शन

बढ़ती महंगाई और अमेरिका से ट्रेड डील का विरोध

हरिभूमि न्यूज. ▶▶| भूना

किसान सभा के बैनर तले सोमवार को किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर भूना में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करते हुए किसान तहसील कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने तहसीलदार के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री के नाम एक मांग पत्र सौंपा। इस प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान सभा के जिला उपप्रधान रामस्वरूप ढाणी गोपाल ने की। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला उपप्रधान रामस्वरूप ढाणी गोपाल ने केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ की जा रही ट्रेड डील से भारतीय किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएंगे। अमेरिका में वहां के किसानों को बहुत अधिक सब्सिडी दी जाती है, जबकि भारत में अधिकांश किसानों के पास मात्र दो से चार एकड़ भूमि है और उन्हें नाममात्र की सब्सिडी मिलती है। किसानों ने मांग की कि इस किसान विरोधी ट्रेड डील को तुरंत रद्द किया जाए। सौंपे गए मांग पत्र में किसानों ने मुख्य रूप से महंगाई पर रोक लगाने, वर्ष 2025 में हुए भारी जलभराव के कारण बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा देने, तथा पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस के बढ़े हुए दामों को तुरंत वापस लेने की मांग की। इसके अलावा किसानों ने बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को बंद करने आदि मांगे उठाई।

15 से शुरू होगा एसआईआर अभियान

- फतेहाबाद विधानसभा के बीएलओ, सुपरवाइजर और एईआरओ को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मतदाता सूची को अधिक सटीक, नवीनतम और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एसआईआर अभियान के तहत फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र के 244 बीएलओ, सुपरवाइजरों और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों को डाइट मताना में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण शिविर में मतदाता सत्यापन, गणना प्रपत्र भरवाने तथा डाटा अपडेशन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। एसडीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि 15 जून से 14 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसके दौरान बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे। इस दौरान प्रत्येक मतदाता से दो प्रतियों में गणना प्रपत्र भरवाया जाएगा तथा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जाएगा। जो भी मतदाता 15 जून से 14 जुलाई तक गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करवा देंगें उन सभी मतदाताओं के नाम 21 जुलाई को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची में शामिल किये जाऐंगे। बीएलओ को निर्देश दिए गए कि गणना प्रपत्रों पर मतदाताओं की नवीनतम पासपोर्ट आकार की फोटो अनिवार्य रूप से लगवाई जाए।

नशा तस्करों पर पुलिस का शिकंजा, कई आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा

पचास लाख की हेरोइन पकड़ी, तीन तस्कर गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई करते हुए जिला क्षेत्र से तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तस्करों के कब्जे से करीब 50 लाख रुपये की हेरोइन बरामद की गई है। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने सोमवार को बताया कि सीआईए पुलिस टीम गश्त के दौरान खाजाखेड़ा रोड क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान एक कार आती दिखाई दी कार चालक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी बिहार के मधुबनी निवासी पुनीत उसके भाई साहिल व विकेश काबू कर लिया। कार की तलाशी लेने पर 270 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। बरामद हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हेरोइन भट्टू क्षेत्र से लेकर आया थे और उसे सिरसा व आपसाप के क्षेत्रों में सप्लाई करने की फिराक में थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधियों का रिकार्ड खंगालने पर पता चला है कि उनके खिलाफ पहले भी हत्या, हत्या का प्रयास व मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं ।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। *एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की 32.20 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को काबू किया है। पुलिस ने इस मामले में खैरातीखेड़ा की ढाणी निवासी नरेंद्र उर्फ घोलू को कर उसके कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी बरामद कर कब्जे में ली है। एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।*

अफीम तस्कर दबोचा , 3 लाख की ड्रग मनी बरामद

फतेहाबाद। *फतेहाबाद पुलिस ने अफीम तस्करी के अंतरराज्यीय नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में एक और कामयाबी हासिल की है। पुलिस टीम ने इस काले कारोबार से जुड़े एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पकड़े गए आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के गांव चौड़ेरा शिकारपुर निवासी प्रेम बाबू के रूप में हुई है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी के पास से तस्करी की 3 लाख रुपये की नगदी यानि ड्रग मनी भी बरामद की है।*

हरियाणा पुलिस की शगुन योजना

एसपी ने बेटियों की शादी पर पुलिस कर्मियों को ढाई-ढाई लाख रुपये के किए चेक भेंट

सिरसा। एसपी दीपक सहारण ने पुलिस विभाग के दो कर्मचारियों को उनकी बेटियों के विवाह हेतु ढाई-ढाई लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि के चेक वितरित करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। इस शगुन योजना का लाभ लेने वाले दो पुलिस कर्मचारियों में ई/उप निरीक्षक रणधीर सिंह व रमेश कुमार के नाम मुख्य रुप से शामिल है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 1 अप्रैल से हरियाणा पुलिस द्वारा अपने कर्मचारियों के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए चलाई जा रही शगुन योजना जरूरतमंद पुलिसकर्मियों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हरियाणा पुलिस की यह महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल के मार्गदर्शन में चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पुलिस कर्मचारियों को उनकी पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सहयोग प्रदान करना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक हितों की रक्षा करना है। उन्होंने बताया कि शगुन योजना के तहत हरियाणा पुलिस विभाग अपने कर्मचारी की बेटी के विवाह पर 2,50,000 की आर्थिक सहायता प्रदान करता है। यह सहायता राशि हरियाणा पुलिस कल्याण कोष से दी जाती है। एसपी ने बताया कि इस योजना का लाभ किसी कर्मचारी की अधिकतम दो बेटियों के विवाह तक दिया जाता है।

विकास | मेरा पानी मेरी विरासत योजना के लिए पंजीकरण शुरू

धान छोड़ने वाले किसानों को मिलेगा ₹10,000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भूजल संरक्षण को बढ़ावा देने और किसानों को धान की परंपरागत खेती के विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने वर्ष 2026 के लिए मेरा पानी मेरी विरासत योजना लागू कर दी है। योजना के तहत धान की जगह अन्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 8 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं दलहन, तिलहन और कपास जैसी फसलें अपनाने पर किसानों को 2 हजार रुपये प्रति एकड़ अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा। इस प्रकार किसानों को कुल 10 हजार रुपये प्रति एकड़ तक का लाभ मिल सकेगा। योजना के तहत मक्का, कपास, मूंग, अरहर, उड़द, सोयाबीन, तिल, मूंगफली तथा चारा फसलों को शामिल किया गया है। सरकार का उद्देश्य अधिक पानी की खपत करने वाली धान की खेती का रकबा कम कर भूजल स्तर को बचाना है।

फतेहाबाद। खेतों में की गई धान की रोपाई। फोटो : हरिभूमि

योजना का लाभ लेने के लिए पंजीकरण जरूरी

योजना की विशेष बात यह है कि निर्धारित शर्तों के तहत किसान यदि धान की खेती नहीं करते और खेत को खाली छोड़ते हैं, तो भी उन्हें योजना का लाभ मिल सकता है। इसके लिए संबंधित किसान का पंजीकरण होना अनिवार्य है। योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। कृषि विभाग के अनुसार योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित किए जाने की संभावना है।

एक नजर में जानें

- धान की जगह दूसरी फसल लगाने पर 8 हजार प्रति एकड़ सहायता
- दलहन, तिलहन और कपास पर ?2 हजार प्रति एकड़ अतिरिक्त बोनस
- कुल 10 हजार प्रति एकड़ तक का लाभ
- मक्का, कपास, मूंग, उड़द, अरहर, सोयाबीन, तिल व मूंगफली शामिल
- मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी
- संभावित अंतिम तिथि 20 जून 2026

भूजल संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा

प्रदेश के कई जिलों में लगातार गिर रहे भूजल स्तर को देखते हुए सरकार किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित कर रही है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि मक्का, दलहन और तिलहन फसलें न केवल कम पानी में तैयार हो जाती हैं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक साबित हो सकती हैं।

हरिभूमि
सहेली

हर महिला अपनी लाइफ में सक्सेस चाहती है, वह अपने सारे डिसीजंस स्वयं लेना चाहती है, लेकिन कहीं न कहीं उसके भीतर कुछ संकोच, दुविधाएं होती हैं, जो उसके आगे बढ़ने की राह में बाधक होती हैं। आप कैसे इन बातों से उबरें और स्ट्रॉन्ग होकर सक्सेसफुल वूमेन बनें, आपके लिए फाइव पॉवर पंच।

हर वूमेन के लिए 5 पॉवर पंच

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज के दौर में महिलाएं हर फील्ड में अपनी पहचान बना रही हैं। सक्सेस की इस दौड़ में खुद को मेंटली और इमोशनल रूप से स्ट्रॉन्ग रखना भी बहुत जरूरी है। इस संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि घर-परिवार, करियर और अपने पर्सनल एंबिशंस के बीच बैलेंस बनाने के लिए केवल मेहनत काफी नहीं है, सही विजन और मेंटल क्लीनर्स भी बहुत जरूरी हैं। एक महिला की असली शक्ति उसके भीतर ही होती है। जब उसकी सोच बदलती है, तो उसकी दुनिया बदल जाती है। हर महिला अगर 5 प्रभावशाली-शक्तिशाली सूत्रों को अपने व्यवहार में उतारें, तो वे देखेंगी कैसे उनका जीवन अधिक संतुलित, सफल और खुशियों से भर उठता है। ये जीवनोपयोगी सूत्र कौन से हैं, जानें-

1. अपनी जगह बनाना सीखें

कॉर्पोरेट वर्ल्ड और पर्सनल लाइफ में महिलाओं को संकोचवश एक अदृश्य खोल में सिमटा हुआ देखा जाता है। अकसर महिलाएं अपनी योग्यता पर संदेह करती हैं, जिसे

'इंपोस्टर सिंड्रोम' कहा जाता है। वे मीटिंग्स में पीछे की चेयर चुनती हैं या अपनी उपलब्धि का श्रेय नहीं लेना चाहतीं। कोई उनकी सराहना करता भी है तो इसका श्रेय वे अपने आपको नहीं अपने भाग्य को देती हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि आप अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। डिसीजन लेने वाली एक्टिविटीज में एक्टिव हों। जब तक आप खुद को आगे नहीं बढ़ाएंगी, दुनिया आपको जगह नहीं देगी। यह सीख केवल ऑफिस तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भी अपनी आवाज बुलंद करने के लिए इंस्पायर करती है। बेस्टसेलर पुस्तक 'लीन इन' की लेखिका शेरिल सैंडबर्ग कहती हैं, 'आप अपनी एंबीशंस के लिए माफी मांगना बंद करें और कॉन्फिडेंस के साथ लीडर की कमान संभालें।

2. फाइनेंसियल लिट्रेसी बढ़ाएं

फाइनेंसियल फील्ड को अकसर पुरुषों की फील्ड मान लिया

जाता है, जो एक बड़ी भूल है। एक्सपर्ट कहते हैं, असली संपत्ति वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले, न कि बाहर निकाले। महिलाओं के लिए केवल बचत करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पैसों की खेती करना यानी निवेश करना भी अनिवार्य है। चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, म्यूचुअल फंड हो या छोटा बिजनेस, पैसे को अपने लिए सही जगह पर लगाना सीखें। ताकि आपका पैसा, और पैसा कमाए। आर्थिक निर्भरता कभी-कभी महिलाओं को गलत स्थितियों में रहने पर मजबूर कर देती है। इसलिए अपनी आय के स्रोत बनाना और अपने फाइनेंसियल डिसीजन खुद लेना सेल्फ डिपेंडेंट होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रसिद्ध फाइनेंस एडवाइस बुक 'थिंक एंड ग्रो रिच' में राइटर रॉबर्ट कियोसाकी कहते हैं, 'अपनी 'फाइनेंसियल लिट्रेसी बढ़ाएं ताकि आप भविष्य के प्रति सुरक्षित महसूस कर सकें।'

3. अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करें

हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जहां महिलाओं पर 'परफेक्ट' दिखने का भारी दबाव होता है। उनसे एक परफेक्ट मां, पत्नी और कर्मचारी बनने की उम्मीद की जाती है। परफेक्शनिज्म एक ऐसा कवच है, जिसे हम चोट से बचने के लिए पहनते हैं, लेकिन यह हमें दूसरों से जुड़ने से रोकता है। असली साहस अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करने में है। बुक 'द गिफ्ट्स ऑफ इंपरफेक्शन' की राइटर ब्रेने ब्राउन कहती हैं, 'जब आप यह मान लेती हैं- मैं जैसी हूं, पर्याप्त हूं, तब आप दिखावे की थकान से मुक्त हो जाती हैं।' ब्रेने ब्राउन की सलाह है कि महिलाएं आत्म-करुणा का अभ्यास करें। वे खुद के प्रति उतनी ही दयालु रहें, जितनी वे अपने प्रियजनों के प्रति होती हैं। अपनी खामियों को अपनी विशिष्टता मानें, क्योंकि वे ही आपको 'इंसान' बनाती हैं। यह सूत्र मानसिक शांति और गहरे आत्म-सम्मान का आधार है।

4. छोटी आदतों का बड़ा जादू

अकसर महिलाएं अपने हेल्थ या करियर में बड़े बदलाव लाने की कोशिश करती हैं, असफल होने पर निराश हो जाती हैं। 'एटॉमिक हैबिट्स' के राइटर जेम्स क्लियर सिखाते हैं कि लक्ष्य से ज्यादा 'सिस्टम' महत्वपूर्ण है। यदि आप रोज केवल एक प्रतिशत खुद में सुधार करती हैं, तो साल के अंत में आप 37 गुना बेहतर बन सकती हैं। इसे 'एटॉमिक हैबिट्स' कहते हैं। अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो पहले दिन एक घंटा जिम जाने के बजाय केवल पांच मिनट टहलने की आदत डालें। 'हैबिट स्टैकिंग' का प्रयोग करें, जैसे सुबह की चाय पीते समय दो पन्ने बुक पढ़ना। ये छोटे बदलाव समय के साथ कंपाउंडिंग ब्याज की तरह बढ़ते हैं और आपके व्यक्तित्व का

हिस्सा बन जाते हैं। बड़े लक्ष्यों को छोटे, आसान कदमों में बांटकर आप बिना तनाव के बड़ी सक्सेस पा सकती हैं।

5. अपनी पहचान अपने ढंग से बनाएं

हमें अपनी पहचान दूसरों की नजरों से तय नहीं करनी चाहिए। आप एक मां, बेटी या पत्नी होने से कहीं बढ़कर हैं। अपनी जड़ों का सम्मान करें, लेकिन अपनी पहचान को किसी एक भूमिका में सीमित न होने दें। चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी आवाज और पहचान ढूंढ़ना ही जीवन का असली उद्देश्य होना चाहिए। यह कभी न भूलें कि आपकी परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, आपकी मेहनत और आपके विचार ही आपका भविष्य तय करते हैं।

बच्चे जीवन में हों सफल
इसके लिए शुरू से सिखाएं ये बातें

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनके बच्चे जीवन में सफल रहें, एक अच्छा मुकाम पाएं। इसके लिए जरूरी है वे शुरू से बच्चों को कुछ उपयोगी सीखें दें। इन सीखों से बच्चे जरूर जीवन में सफल रहेंगे।

परवरिश
रजनी अरोड़ा

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनका बच्चा बड़े होकर डरपोक नहीं, मजबूत बने, अपनी समझ से सही फैसले ले। इसके लिए पैरेंट्स का अपने बच्चों को कुछ बातें सिखानी जरूरी हैं ताकि वे अंदर से स्ट्रॉन्ग और कॉन्फिडेंट बनें। जो बच्चा समझदार और अंदर से मजबूत होगा, वह कभी भी कमजोर नहीं साबित होगा, जीवन में सफल रहेगा।

सही काम करने के लिए प्रेरित करें: बच्चों को बताएं हमेशा सही काम करो। सही काम इसलिए करो कि खुद पर गर्व हो। दूसरों को दिखाने के लिए अच्छा मत बनो। अच्छा इसलिए बनो कि दिन बीतने के बाद जब अपने बारे में सोचो तो गर्व महसूस हो। बच्चों को समझाएं कि चरित्र ही इंसान की असली ताकत होती है।

अपने आपको समझना जरूरी: बच्चे को बताएं कि सबको खुश करना जरूरी नहीं है। हर इंसान तुम्हारी इज्जत या दोस्ती के लायक नहीं होता। अपने आपको समझना जरूरी है, जो अपने आपको समझता है, वह दुनिया में मजबूती से खड़ा रहता है।

समझदारी से दोस्त बनाएं: बच्चों को दोस्तों की परख करना सिखाएं कि अच्छे दोस्त आगे बढ़ाने में मददगार होते हैं। वह जिनके आस-पास रहता है, वे या तो उसे आगे बढ़ाएंगे या नीचे गिराएंगे। इसलिए समझदारी से दोस्त बनाए।

अपनी हेल्थ से बड़ा कुछ नहीं: बच्चों को समझाएं कि दोस्तों के प्रभाव में आकर किसी खराब आदत को न अपनाएं। मोबाइल की लत, झूठ बोलना, आलस करना सही नहीं है। आज की छोटी गलती कल की बड़ी परेशानी या एडिक्शन बनते देर नहीं लगेगी। बच्चों को समझाएं कि हेल्थ उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए अनहेल्दी हैबिट्स से दूर रहें।

सतर्कता से छोटे-छोटे डिसीजन लें: बच्चे को बताएं कि उसे अपने लेवल पर रोज छोटे-छोटे डिसीजन लेने पड़ते हैं। उस वक्त सिर्फ इतना याद रखना जरूरी है कि उसके द्वारा लिए गए डिसीजन से ही उसका परिणाम तय होता है। वो परिणाम पॉजिटिव भी हो सकता है और नेगेटिव भी। इसलिए कोई भी डिसीजन लेने से पहले अच्छी तरह विचार जरूर कर लें।

न बोलना सिखाएं: अगर कुछ गलत लगे, मन न माने, डर लगे तो उसे न बोले। न कहना गलत या शिष्टाचार के विरुद्ध नहीं, अपनी इज्जत और सुरक्षा की निशानी है।

लक्ष्य जरूर तय करें: बच्चे को बताएं कि तुम्हारे पास एक लक्ष्य होना जरूरी है कि तुम भविष्य में क्या बनना चाहते हो? अगले एक-दो वर्ष में किस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हो? लेकिन ध्यान रखो कि कोई फाइनल डिसीजन अभी नहीं लो, क्योंकि कई बार अनचाहे हालातों के कारण या किसी दूसरे कारणों से लक्ष्य बदलने भी पड़ते हैं।

रातों-रात सफलता नहीं मिलती: बच्चों को बताएं कि रातों-रात सफल होना एक भ्रम है। हुनर शुरुआत दिलाता है, अनुशासन आगे बढ़ाता है। सिर्फ टैलेंट काफी नहीं होता, जो निरंतर मेहनत करता है, छोटे-छोटे प्रयास करता है, वही आगे बढ़ता है, सफल होता है। जो भी करो, पूरी लगन से करो।

असफलता से सीख लें: किसी काम में अगर असफल होते हो तो यह समझना जरूरी है कि असफल क्यों हुए, इससे क्या सीखा? असफलता का जीवन और करियर पर क्या असर पड़ा? बच्चों को यह भी बताएं कि असफलता बुरी बात नहीं है। असफलता का मतलब हार नहीं, एक सबक है। जिस बच्चे को यह बात समझ में आ जाएगी, वो कभी भी असफलता से नहीं डरेगा।

(होली फैमिली अस्पताल, दिल्ली की सीनियर साइकोलॉजिस्ट डॉ. मंजू मेहता से हुई बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग
अनु आर.

वर्किंग वूमेन के बीच गार्डनिंग का नया ट्रेंड 'संडे गार्डन रूटीन' तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसकी कई वजहें हैं। एक तो इससे आपकी गार्डनिंग हॉबी को टाइम मिलता है, दूसरा इसका पॉजिटिव इफेक्ट आपकी मेंटल और इमोशनल हेल्थ पर भी पड़ता है। इसके बारे में जानकर आप भी इसे जरूर फॉलो करेंगी।

संडे गार्डन रूटीन का बढ़ता ट्रेंड
हॉबी के साथ सेल्फ केयर

पूरे सप्ताह किचेन, ऑफिस, बच्चों और घर के दूसरी तमाम जिम्मेदारियों के बीच वर्किंग वूमेन के लिए संडे का दिन आराम करने के लिए फिक्स माना जाता है। लेकिन अब बड़ी संख्या में महिलाएं रविवार को काफी समय गार्डन केयर में बिताती हैं। वे 'संडे गार्डन टाइम' को मानसिक शांति और खुशी पाने का नया तरीका मानने लगी हैं। बालकनी में लगे पौधों को पानी देना, पौधों के आस-पास की सूखी पत्तियां हटाना, उनकी ट्रिमिंग करना, नए बीज बोना और उनके अंकुरण का बेसब्री से इंतजार करना, कुछ देर पौधों के बीच गुजारना, अब यह सिर्फ शौक नहीं रहा, आज के दौर में मी टाइम का हिस्सा भी बन गया है।

पौधों के साथ मिले सुकून: गार्डनिंग से मिलने वाली खुशी के लिए अनेक महिलाओं ने सीमित स्थान पर ही सही घर के छोटे-छोटे हिस्सों में अपना एक हरा-भरा कोना बसाना शुरू कर दिया है। किसी के यहां छत पर सब्जियां उग रही हैं, तो किसी की बालकनी ताजी धनिया और पुदीने से महक रही है। गार्डन में खुद के लगाए पौधे से सब्जी तोड़ना, एक ऐसा सुकून का एहसास देता है, उतनी ही खुशी देता है, जितनी अपने लिए मनपसंद साड़ी खरीदने में मिलती है। यही वजह है कि अब बहुत सी महिलाएं संडे को मोबाइल और टीवी से दूरी बनाते हुए अच्छा-खासा समय पौधों के बीच या कहें हरियाली के साथ सुकून में बिताती हैं। पौधों के बीच समय गुजारने से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि मिट्टी को छूने, पौधों की देखभाल करने और नई पत्तियों को उगते देखने से मन में सकारात्मकता का प्रवाह भी होता है। इन्हीं फायदों की वजह से इन दिनों गार्डनिंग थेरेपी भी काफी कारगर साबित हो रही है, जो मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक मानसिक थकान दूर करने का एक सरल तरीका है। दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेंड में घरेलू और काम-काजी महिलाएं दोनों के बीच किसी किस्म का भेदभाव नहीं है। काम-काजी महिलाओं के लिए जहां सप्ताह भर की भाग-दौड़ के बाद गार्डन टाइम डिजिटल डिटॉक्स बन जाता है, वहीं घरेलू महिलाओं के लिए भी रोजमर्रा के काम से अलग यह उनकी निजी पसंद या 'हॉबी' होता है।

सोशल मीडिया पर पॉपुलर: इन दिनों सोशल मीडिया पर भी 'संडे गार्डन रूटीन' काफी पॉपुलर हो रहा है। बहुत सी महिलाएं फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने पौधों की तस्वीरें, जैविक खाद बनाने के तरीके और छोटी-छोटी गार्डन सेट-अप साझा करती हैं। इससे उन महिलाओं को भी प्रेरणा मिलती है, जो अभी तक इस 'संडे गार्डन रूटीन' से दूर हैं।

इसलिए बढ़ रहा ट्रेंड: गार्डनिंग के इस ट्रेंड के पॉपुलर होने की वजह यह है कि यह आपके और फैमिली मेंबर्स की हेल्थ के लिए भी लाभकारी होता है। घर में उगाई गई हरी सब्जियां और हर्ब्स ताजी होने के साथ ऑर्गेनिक भी होती हैं। इसी वजह से हेल्थ के लिए अधिक फायदेमंद होती हैं। इसीलिए अब कई महिलाएं बाजार के बजाय घर में उगी पालक, पुदीना और टमाटर का उपयोग करना ज्यादा पसंद करती हैं। इस सबके अलावा महिलाओं में बढ़ती पर्यावरण जागरूकता भी इस ट्रेंड को मजबूत कर रही है। प्लास्टिक के गमलों की जगह मिट्टी के गमले, रसोई के कचरे से खाद बनाना और पानी का सीमित उपयोग करना, ये ऐसी आदतें हैं, जो शहरी घरों में खूब दिखाई देने लगी हैं। इस छोटे से प्रयास से भी पर्यावरण को मजबूती मिल रही है।

ये तरीके हैं कारगर: इन दिनों बाजार में किचन गार्डनिंग को आसान बनाने के अनेक तरीके और उपकरण मौजूद हैं। जैसे सेल्फ वाटरिंग पॉट्स, वर्टिकल गार्डन स्टैंड, माइक्रो बींस किट और जैविक बीज आसानी से मिल जाते हैं। इसीलिए फ्लैट कल्चर में गार्डनिंग का आकर्षण बढ़ रहा है।

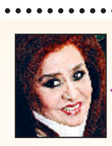

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

घरेलू उपायों से पैरों की टैनिंग होगी दूर

गर्मी के मौसम में तेज धूप, धूल भरी गर्म हवाएं और पसीने की वजह से हमारे पैरों का रंग टैन होने लगता है। इससे उनकी खूबसूरती डल हो जाती है। अगर आप भी इस प्रॉब्लम से परेशान हैं तो कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इस मौसम में भी अपने पैरों को सुंदर और सॉफ्ट बनाए रख सकती हैं।

स्क्रबिंग: पैरों की टैनिंग हटाने के लिए टूथपेस्ट, सोडा, नीबू के रस से बना पैक काफी मददगार साबित होता है। बेकिंग सोडा और नीबू, स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करेगा। नीबू में मौजूद विटामिन-सी त्वचा पर हाइपर पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने में मदद करता है। कांच की कटोरी में थोड़ा सा टूथपेस्ट लें। इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा नीबू का रस मिलाएं। इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और ब्रश की मदद से इसे पूरे पैरों पर लगाएं। अब नीबू के छिलके से पैरों को कुछ देर स्क्रब करें। कुछ देर तक इस पेस्ट को पैरों पर लगा रहने दें और फिर पैरों को पानी से साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार लगाने से पूरी तरह से टैनिंग से छुटकारा पाया जा सकता है।

नीबू और खीरा: खीरे को कद्दूकस या ब्लेंड करके रस निकाल लें। इसमें कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाकर अच्छी तरह मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से पैरों की टैनिंग की जगह पर लगाकर लगभग 15 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालें।

बेसन-दही: दही और बेसन को एक साथ अच्छे से मिलाकर पैरों पर 30 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पैर धो लें। दही पैरों को मॉयश्चराइज करेगा और बेसन टैनिंग को हटाने में असरदार साबित होगा।

मास्क: एक मध्यम आकार के आलू का रस निकालकर इसमें एक बड़ा चम्मच दही मिला लें। इसमें एक छोटा चम्मच बेसन मिला लें। इसमें एक चम्मच नीबू का रस और आधा चम्मच शहद मिला लें। अब आप पैरों को अच्छी तरह धो लें और सूखने दें। इसके बाद इस मास्क को पूरे पैरों में लगाकर आधे घंटे बाद हल्के-हल्के रगड़ते हुए हटा लें। इससे डेड स्किन हट जाएगी। अब पैरों को पानी से धो लें और मॉयश्चराइजर लगा लें।

टैन रिमूविंग पेस्ट: इसे बनाने के लिए एक कटोरी में गर्म पानी लें। इसमें ईनो पावडर डालें, फिर 1 चम्मच नीबू का रस डालें। इसमें नारियल का तेल, शैंपू की कुछ बूंदें, 1 चम्मच कॉफी पावडर, 2 चम्मच आटा मिक्स कर लें। अब इसे टैनिंग वाले एरिया पर 10 मिनट तक रगड़ें, फिर साफ पानी से धो लें।

गर्मी में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं काफी बढ़ जाती हैं। डॉक्टर पानी पीने और शरीर को ठंडा रखने की सलाह देते हैं। यहां पर हम आपको कुछ हर्बल ड्रिंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो गर्मी से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद हैं।

तपती गर्मियों से राहत दिलाएं ये पारंपरिक स्वादिष्ट पेय

सजेशन
संध्या सिंह

आज के डिजिटल दौर में फिर से वही पुराने भारतीय हर्बल पेयों की मांग गर्मी से राहत दिलाने के लिए बढ़ रही है, जो कभी नानी-दादी के जमाने में गर्मी से बचाने का अकेला सहारा हुआ करते थे। कभी गांवों की रसोई में सहज रूप से उपलब्ध बेल का शर्बत, सौंफ का पानी, आम का पना, जौ-चना का सत्तू, पुदीना और खस के पेय, नॉर्मल हुआ करते थे। आज ये सब इसलिए लौटकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इन पेय पदार्थों में सचमुच चिलचिलाती गर्मी से राहत पहुंचाने का शानदार गुण होता है। जानकार मानते हैं कि ये पेय सिर्फ शरीर को ठंडा ही नहीं रखते और न ही सिर्फ पाचन सुधारते हैं बल्कि हमें लू से भी बचाने के साथ लगातार ऊर्जावान भी बनाए रखते हैं। इसलिए आजकल फिर से डॉक्टर और खान-पान के विशेषज्ञ गर्मियों में इन देसी पेयों के अधिक से अधिक सेवन की सलाह देते हैं।

ये भी होते हैं फायदे

- आम का पना लू लगने से बचाने में बहुत कारगर होता है।
- जौ का सत्तू गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखता है।
- पुदीना शिकंजी शरीर को ताजगी देती है और इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाती है।
- बेल का शर्बत लू और पेट की गर्मी से राहत दिलाता है।
- सौंफ का पानी पाचन बेहतर करता है और शरीर को ठंडक प्रदान करता है।
- खस का शर्बत शरीर की गर्मी कम करने में मददगार है।

बेल का शर्बत: इनमें सबसे खास और ज्यादा असरदायक है बेल का शर्बत। बेल को आयुर्वेद में शीतल प्रकृति का माना गया है। इसमें फाइबर, विटामिन, मिनरल्स की प्रचुर मात्रा होती है। गर्मी के दिनों में यह शरीर को ठंडा रखता है, लू से बचाता है और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं पर रामबाण की तरह असर करता है।

पुदीना है फायदेमंद: पुदीना गर्मी से राहत दिलाने का कारगर साधन है। पुदीना शरीर को ताजगी देता है। नीबू और काला नमक मिलाकर अगर पुदीना के रस का सेवन करें तो यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि सड़क किनारे मिलने वाली पारंपरिक शिकंजी या जलजीरा आज भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है।

आम पना: आम पना लंबे समय से उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में गर्मी से राहत दिलाने वाला स्वादिष्ट पेय माना जाता है। कच्चे आम से बनने वाला यह स्वादिष्ट पना, हमें हीट स्ट्रोक से बचाने में बहुत कारगर है। इसमें नमक, गुड़, भुना जीरा, थोड़ी काली मिर्च या भुनी हुई लाल मिर्च डालकर बनाने से यह बेहद स्वादिष्ट तो लगता ही है, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को अच्छे ढंग से पूरा करता है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों ही नहीं शहरी क्षेत्रों में भी आम पना खूब पिया जाता है।

खबर संक्षेप

सुशील कंदोई बने केलनियां नंदीशाला के प्रधान

सिरसा। केलनियां नंदीशाला की बागडोर गौभक्त सुशील कंदोई के हाथों में सौंपी गई है। इसके साथ ही सुधीर ललित, मनोज रावतसर व विजय बंसल को नंदीशाला का उपप्रधान, मनोज बंसल को महासचिव, राजेश गनेरीवाला को सचिव तथा महेंद्र बणीवाला को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। नई कार्यकारिणी का गठन उपप्रधान सुधीर ललित एवं संरक्षक संजीव जैन एडवोकेट की अध्यक्षता में हुई बैठक में किया गया। केलनियां नंदीशाला के प्रधान पवन बंसल के आकस्मिक निधन उपरांत नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

कागदाना में नशीली गोलियों सहित दो पकड़े

चोपटा। गांव कागदाना में नशा रोकने के लिए संघर्ष समिति कागदाना लगातार निगरानी रखे हुए हैं। इसी कड़ी में गांव कागदाना में रविवार रात को गोलियों सहित दो युवाओं को पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया। इन युवाओं के पास कई प्रकार की नशीली गोलियां मिली। पूछताछ में युवाओं ने बताया कि वे सिरसा से गोलियां लेकर आए हैं और इनको आसपास के गांवों में बेचा जाएगा।

बैचलर ऑफ सोशल वर्क के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी

सिरसा। 12वीं कक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समाज सेवा एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर उपलब्ध है। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रेजुएट स्टडीज द्वारा संचालित चार वर्षीय एकीकृत बैचलर ऑफ सोशल वर्क कार्यक्रम में वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। कार्यक्रम में कुल 40 सीटें उपलब्ध हैं तथा कला, वाणिज्य एवं विज्ञान किसी भी संकाय के विद्यार्थी प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून 2026 है।

वैश्य समाज के प्रदेश प्रवक्ता बने सुशील बंसल

फतेहाबाद। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने फतेहाबाद के सुशील बंसल को प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया। अपनी नियुक्ति के लिए सुशील बंसल ने प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला, महिला इकाई की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला सर्राफ, जिला अध्यक्ष राजेंद्र मित्तल सहित प्रदेश के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि जो जिम्मेवारियों उन्हें सौंपी गई है, वे उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे और सदैव संगठन की मजबूती के लिए कार्य करते रहेंगे।

5 जुलाई को लगेगा रक्तदान शिविर

रतिया। मां की रसोई संस्था की बैठक अध्यक्ष वरिंदर पपनेजा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में 5 जुलाई को मां की रसोई के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। संस्था के सदस्यों ने उनकी संस्था द्वारा पिछले चार वर्षों से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आगामी आयोजन को यादगार बनाने का संकल्प लिया। अध्यक्ष वरिंदर पपनेजा ने बताया कि संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

समाधान शिविर में आरटीए सचिव ने सुनीं शिकायतें

फतेहाबाद। लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में सोमवार को आरटीए सचिव संजय बिश्नोई ने आमजन की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आरटीए सचिव संजय बिश्नोई ने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का एक ही स्थान पर सुनवाई कर उनका शीघ्र निपटारा करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयावधि में उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कूलर छोड़कर अब सीधे 1.5 टन एसी खरीद रहे ग्राहक

गर्मी ने बदला लोगों की खरीदारी का ट्रेंड, इनवर्टर एसी की मांग तेजी से बढ़ी

- पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में करीब 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी
- शाम होते ही इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में खरीदारों की बढ़ने लगती है भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। अनाज मण्डी स्थित विशाल टीवी केयर। *फोटो : हरिभूमि*

गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान ने इस बार लोगों की खरीदारी का ट्रेंड बदल दिया है। शहर के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में इन दिनों इनवर्टर एसी और कूलर की मांग तेजी से बढ़ी है। दुकानदारों के अनुसार पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में करीब 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले जहां लोग गर्मी से राहत के लिए कूलर खरीदते थे, वहीं अब मध्यम वर्ग के ग्राहक भी सीधे एसी खरीद रहे हैं। खरीदारी के दौरान ग्राहक सबसे ज्यादा कम बिजली खर्च और बेहतर कूलिंग वाले मॉडल की जानकारी ले रहे हैं। इसी कारण बाजार में इनवर्टर तकनीक वाले एसी की मांग सबसे अधिक बनी हुई है। शाम होते ही इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में खरीदारों की भीड़ बढ़ने लगती है। गर्मी के कारण लोग दिन की बजाय रात में खरीदारी करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए कई दुकानदारों ने दुकानें देर रात तक खोलनी शुरू कर दी हैं। दुकानदारों का कहना है कि मई के दूसरे पखवाड़े में तापमान बढने के साथ बाजार में फिर चहल-पहल बढ़ गई। पहले जहां दिनभर में एक-दो ग्राहक पहुंचते थे, वहीं अब लगातार भीड़ बनी रहती है

अलग खबर

60% ग्राहक फाइनेंस पर खरीद रहे सामान

दुकानदार रमेश ने बताया कि इस बार गर्मी के कारण बिक्री में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पहले जो ग्राहक कूलर खरीदते थे, वे अब एसी की तरफ बढ़ रहे हैं। दुकानों पर फाइनेंस सुविधा मिलने के कारण करीब 60 प्रतिशत ग्राहक किस्तों पर सामान खरीद रहे हैं। पहले 0.8 टन व 1 टन एसी ज्यादा बिकते थे, लेकिन बढ़ते तापमान के कारण अब ग्राहक सीधे 1.5 टन एसी की मांग कर रहे हैं। इसी वजह से दुकानदार भी अधिक मात्रा में 1.5 टन मॉडल मंगवा रहे हैं।

33 हजार से शुरू हैं एसी, कूलर 7 हजार से

बाजार में एसी की कीमत 33 हजार रुपए से शुरू होकर करीब 40 हजार रुपए तक है। अलग-अलग कंपनियों के मॉडल में दो से तीन हजार रुपए तक का अंतर देखने को मिल रहा है। वहीं कूलर की कीमत 7 हजार रुपए से शुरू होकर 17 हजार रुपए तक है। बाजार में देसी और ब्रांडेड दोनों तरह के कूलर उपलब्ध हैं। इन दिनों एग्जॉस्ट फैन वाले कूलर की मांग सबसे ज्यादा बनी हुई है, इसलिए दुकानदार भी उनकी अधिक सप्लाई मंगा रहे हैं।

दाम बढ़े, बिक्री पर असर नहीं

विशाल टीवी के अनिल असीजा के अनुसार एसी के दाम पिछले साल की तुलना में बढ़े हैं, लेकिन बिक्री पर इसका असर नहीं पड़ा। पिछले 15 दिनों में बाजार में अचानक तेजी आई है। वोल्टेज कम होने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की समस्या के चलते ग्राहक इनवर्टर एसी को प्राथमिकता दे रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार इनवर्टर एसी कम बिजली खर्च करते हैं और वोल्टेज कम-ज्यादा होने पर भी बेहतर कूलिंग देते हैं। इसी कारण बाजार में सबसे ज्यादा मांग इसी श्रेणी के एसी की है।

सिरसा। पकड़े गए वाहन चोर गिरोह के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

आठ दुपहिया वाहन बरामद

- नशे की लत पूरी करने के लिए इन वारदातों को देते थे अंजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सिरसा जिले क्षेत्र से गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों से आठ दुपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। डीएसपी सुखबीर सिंह ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में इसका खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों की पहचान सिरसा जिला निवासी गौरव व जुगल किशोर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सिरसा निवासी प्रमोद कुमार ने पुलिस को शिकायत दी कि उसकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने शहर सिरसा की कोर्ट कॉलोनी, सांगवान चौक, नाथूसरी चोपटा क्षेत्र के गांव तरकांवाली तथा रानियां थाना क्षेत्र से वाहन चोरी की कई वारदातें कबूल की। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की पांच मोटरसाइकिल व तीन चोरीशुदा इलेक्ट्रिक स्कूटी बरामद कर ली हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों युवक नशा करने के आदी हैं और नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। नाबालिग को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

बच्चों को पक्षियों और वन्यजीवों के करीब लाएगा नेचर्स नेस्टः सुभाष

बराला ने किया नेचर्स नेस्ट वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मैहता रामदिता मल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्थापित 'नेचर्स नेस्ट इको फार्म्स, पेटिंग सैंक्चुअरी एवं फन पार्क तथा वन्यजीव पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया।बराला ने कहा कि प्रकृति की मनोरम छटा, पक्षियों की मधुर चहचहाहट एवं पशु-पक्षियों के सान्निध्य से परिपूर्ण यह अनूठा स्थल बच्चों, परिवारों तथा प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण एवं सीख का केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में ऐसी जगहों की सख्त जरूरत है, जहाँ लोग आकर अपनी जड़ों से जुड़ सकें। यह पार्क केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीव-जंतुओं के प्रति दयाभाव और सह-अस्तित्व की भावना सिखाने वाली एक जीवंत पाठशाला साबित होगा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर अध्यक्ष सूरज मेहता, सचिव अमित मेहता, ओम प्रकाश मेहता, बंसी लाल अरोड़ा, सूबे सिंह समैन, डॉ शिव सचदेवा, रवींद्र मेहता, बलजीत डांगरा, संजय रेवड़ी, नीरज मेहता, हिमांशु मेहता, भगवान पाहवा, अमीर चंद गुरदत्ता, राजकुमार, राजेंद्र ठकराल, सुभाष तग़ेजा, पवन गिरधर, युधिष्ठिर मेहता, प्रवीण कुमार, संत भूटानी, राम प्रकाश मेहता, रमन मडिया सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फतेहाबाद में पांच दिवसीय जाम्भाणी शिविर का समापन, बच्चों ने लिया प्रकृति रक्षा का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

जाम्भाणी साहित्य अकादमी, बीकानेर और बिश्नोई सभा धांगड़ के संयुक्त तत्वावधान में श्री जाम्भा-कृष्ण गोशाला में आयोजित पांच दिवसीय जाम्भाणी संस्कार शिविर का समापन हुआ। ब्रह्मलीन स्वामी राजेंद्रानंद महाराज की पावन स्मृति में आयोजित इस शिविर के समापन अवसर पर बच्चों ने भगवान गुरु जम्भेश्वर महाराज के सिद्धांतों, वाणी संयम, धर्म, पर्यावरण संरक्षण और उत्कृष्ट संस्कारों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प लिया। इस पांच दिवसीय शिविर में क्षेत्र के 171 बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। शिविर के दौरान बच्चों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन, योग, नशा मुक्ति और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। समापन समारोह के दौरान बच्चों ने पिछले पांच दिनों में सीखी गई गतिविधियों का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। समारोह में हरिद्वार से पधारे महंत स्वामी प्रणवानंद महाराज के पावन सानिध्य में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने आहुतियां डालीं। हिसार से पहुंचे अकादमी के पूर्व महासचिव डॉ. सुरेंद्र खिचड़ ने स्वामी राजेंद्रानंद महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज को नई दिशा देने में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

फतेहाबाद। शिविर के समापन पर मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. बलवीर और मास्टर चंद्र ने किया। इस विशेष अवसर पर सेवा दल फतेहाबाद के अध्यक्ष सुरजीत ढूकिया, गोशाला धांगड़ के प्रधान पृथ्वी आमरा, विनोद भादू, राम सिंह मांझू, अनिल सिहाग, विनोद कड़वासरा, भगवान दास, रामेश्वर भादू और अजय राहड़ सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया प्रतियोगिता : अंडर 18 में आशा ने झटका पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

खेल मंत्रालय, साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया तथा स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में हरियाणा राज्य साइक्लिंग संघ के सहयोग से गांव फुलां में अस्मिता साइक्लिंग वुमेन सिटी खेलो इंडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य महिला खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गांव फुल्ला के सरपंच सुनील फुल्ला रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच मुकेश अलीपुर बरोटा व सिटी स्कूल भिरड़ाना के प्रिंसिपल सतीश बिश्नोई ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुशील कुमार ने की। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों की महिला साइक्लिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंडर 18 आयु वर्ग में आशा माजरा ने पहला, शोभा माजरा ने दूसरा और निशा बनगांव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

फतेहाबाद। बाबा भागीरथ जयंती पर उन्हें नमन करते अतिथिगण।

धूमधाम से मनाई बाबा भागीरथ महाराज की जयंती, पुष्प अर्पित कर किया नमन

फतेहाबाद। बाबा भागीरथ महाराज ओड सेवा ट्रस्ट फतेहाबाद द्वारा बाबा भागीरथ महाराज की जयंती श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भूना रोड स्थित बाबा भागीरथ चौक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए लंगर प्रसाद, ठंडे व मीठे पानी की छबील लगाई गई और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दुड़ाराम, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा और ट्रस्ट के प्रधान राजकुमार सूरा ने बाबा भागीरथ प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मास्टर गोविंद मजोका, विजय नापा, मनोहर लाल बीका, बंसी लाल बरोका, टेक चंद नंबरदार, शीतल दास, रणजीत गडाई ने मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे, जिनमें जगदीश नायक, पार्षद ज्ञान सिंह, पार्षद मास्टर चंद्र भान, महंत बलबीर नाथ, सुल्तान सिंह पंवार, मास्टर महेंद्र नायक, मास्टर सीताराम, विनोद प्रधान, वेदप्रकाश आदि शामिल रहे।

छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया शीतल जल

फतेबाद (हरिभूमि न्यूज)। भीषण गर्मी और तपती धूप से आम जनमानस को राहत पहुंचाने के लिए सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं लगातार आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में वाल्मीकि सेवा समिति, फतेहाबाद द्वारा शहर में एक पेयजल छबील लगाई गई। इस दौरान समिति के सदस्यों ने आने-जाने वाले राहगीरों, वाहन चालकों और राहगीरों को रोक-रोककर ठंडे और मीठे पानी की सेवा की। छबील के शुभारंभ पर समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और इस तपते मौसम में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। शहर के मुख्य मार्ग पर लगाई गई इस छबील का सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया और इस पुनीत कार्य के लिए समिति की सराहना की। इस सेवा कार्य के मौके पर वाल्मीकि सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक सरबटा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव रति, महासचिव अशोक रत्ती और कैशियर अनूप डच विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा समाज सेवा के इस कार्य में उपास भट्टी, ओम प्रकाश चड्ढा, रमन लॉट, राजू लोट, कवि रत्ती, पवन रत्ती, रवीन्द्र रत्ती, अक्षय रत्ती, लव रुखाया, ललित, भीम सैन रत्ती और नसीब सहित समिति के अनेक सदस्यों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया।

फतेहाबाद। छबील पर लोगों को शीतल जल पिलाते समिति के सदस्य।

सिरसा के दमकल विभाग में कर्मचारियों व संसाधनों की कमी चिंताजनकः सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा जिले के दमकल विभाग में कर्मचारियों और संसाधनों की भारी कमी पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं और ऐसे समय में दमकल विभाग को पूरी क्षमता के साथ तैयार रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि समाचारों के अनुसार जिले में दमकल विभाग के लगभग 40 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं, जबकि कई फायर ब्रिगेड वाहन भी अनुपयोगी या कंडम स्थिति में पहुंच चुके हैं।

कर्मचारियों की कमी के कारण मौजूदा स्टाफ पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ रहा है, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर राहत और बचाव कार्य प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। सांसद ने कहा कि सिरसा एक कृषि प्रधान जिला है, जहां फसल कटाई और गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में भी आगजनी की घटनाएं लोगों के जीवन और संपत्ति के लिए गंभीर खतरा बनती हैं। ऐसी स्थिति में दमकल विभाग को पर्याप्त जनशक्ति, आधुनिक उपकरण और सुचारू संसाधन उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है।

कुमारी सैलजा ने राज्य सरकार से मांग की कि दमकल विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया शुरू की जाए, पुराने और खराब हो चुके वाहनों को बदला जाए तथा विभाग को आधुनिक तकनीक और आवश्यक संसाधनों से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। सांसद ने कहा कि सरकार को केवल आपदा के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले से तैयारी सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि आग जैसी घटनाओं में जान-माल के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

कार्यक्रम एमएम कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में योग शिक्षा की भूमिका पर सेमिनार

व्यक्ति को स्वस्थ, निरोग एवं तनावमुक्त जीवन प्रदान करता है योग : राजीव बत्रा

- विद्यार्थियों एवं स्टाफ को करवाया गया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में आयोजित सेमिनार में विद्यार्थियों को योग का महत्व बताते प्राचार्य। *फोटो : हरिभूमि*

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मनोहर मैमोरियल महाविद्यालय, फतेहाबाद में हरियाणा योग आयोग के सहयोग से योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में योग शिक्षा की भूमिका विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गुरचरन दास ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. राम गोपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त नॉन-टीचिंग स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाया गया। शिविर के दौरान डॉ. राम गोपाल ने सभी प्रतिभागियों को अनुलोम-विलोम, कपालभाति, ताड़ासन और सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासनों का व्यावहारिक अभ्यास करवाया। उन्होंने इन आसनों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और बताया कि योग किस प्रकार एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है।

प्राचार्य डॉ. गुरचरन दास ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में योग को विशेष महत्व दिया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत योग को केवल एक अतिरिक्त गतिविधि न मानकर पाठ्यक्रम का एक अभिन्न हिस्सा बनाया गया है, ताकि विद्यार्थियों का समग्र और बहुआयामी विकास हो सके। यह नीति शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन पर जोर देती है, जिसमें योग की भूमिका सर्वोपरि है।

योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : बत्रा

एमएम एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन आत्मप्रकाश बत्रा, प्रधान राजीव बत्रा, सचिव विनोद मेहता एडवोकेट, कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा और बीएड कॉलेज के उपप्रधान संजय बत्रा ने विद्यार्थियों को योग के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि योग व्यक्ति को स्वस्थ, निरोग एवं तनावमुक्त जीवन प्रदान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा समाज में योग के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। प्रधान राजीव बत्रा ने सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों को 15 जून को आयोजित होने वाली योग मैराथन दौड़ तथा 21 जून को एमएम कॉलेज परिसर में ही आयोजित होने वाले जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में बढ़-चढकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सेमिनार एवं योग प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने नागरिक अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां मौजूद नशा पीड़ितों से मुलाकात की और नशा पीड़ितों के लिए दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। सीजेएम संतोष बागोतिया ने मनोचिकित्सक डॉक्टर पंकज शर्मा से भी नशा पीड़तों के उपचार के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि किसी नशा पीड़ित को मुफ्त कानूनी सहायता की आवश्यकता है तो वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से कानूनी सहायता ले सकते हैं।

अमावस्या पर भंडारे की तैयारियों पर हुई बैठक

सिरसा। अग्रसेन चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आज अग्रवाल धर्मशाला में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाजसेवी प्रहलाद कंदोई एवं बनवारी तलवाडिय़ा ने संयुक्त रूप से की। बैठक में आगामी सोमवती अमावस्या के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विशाल भंडारे की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया जाएगा। बैठक में विभिन्न जिम्मेदारियों का वितरण करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की रूपरेखा तैयार की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तन-मन और धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अभियान को लेकर हुई बैठक

सिरसा। निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं उपमंडल अधिकारी राजेंद्र कुमार ने सोमवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एक जुलाई को क्वालिफाइंग तिथि मानते हुए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमंडल अधिकारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति प्रक्रिया पर जानकारी दी। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए राजनीतिक दलों से सहयोग का आह्वान किया गया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का सही होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए आवश्यक है।

कॉन्फिडेंट स्पीकिंग कार्यशाला में 55 प्रतिभागियों ने लिया भाग

सिरसा। तेरापंथ युवक परिषद ने सीपीएस अकादमी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस के सहयोग से जूनियर एवं सीनियर ग्रुप के लिए सात दिवसीय कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया। कार्यशाला में सेठ सागरमल सुराणा जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक व 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों के व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संवाद कौशल एवं आत्मविश्वास में वृद्धि करना था। कार्यशाला में सीपीएस जोनल ट्रेनर सिमरन पोखराना, रजत संजय संचेती तथा प्रोविजनल नेशनल ट्रेनर खुशी कोठारी ने प्रतिभागियों को मंच संचालन के गुर सिखाए।

शहर में पानी को लेकर मचा हाहाकार, लोग दिन-रात कर रहे इंतजार

चतरगढ़ पट्टी कॉलोनी वासियों ने विभागीय अधिकारियों के सामने किया रोष प्रकट

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

शहर के मुख्य जलघर से सटी चत्तरगढ़पट्टी के लोग भीषण गर्मी में पेयजल को तरस रहे है। पानी के लिए रात-रात भर जागकर सप्लाई चलने का इंतजार कर रहे हैं।

शहर की कई कॉलोनियों में चार से पांच दिन से नहीं पहुंच रही पानी की सप्लाई

जबकि अनेक एरिया में पानी पहुंच ही नहीं पा रहा। विभाग की ओर से इन दिनों दिन में केवल एक समय रात्रि करीब 10 बजे सप्लाई चालू की जाती है। ऐसे में दिनभर दिहाड़ी मजदूरी करने वाले लोग रात 10 बजे से मध्य रात्रि तक पानी का इंतजार ही करते रहते है। विभाग की ओर से कालोनीवासियों के बनाए गए व्हाट्सअप गुरप में लोगों की आवाज सुनाई पड़ती है। किसी एरिया में चार दिन से तो कहीं पांच दिन से पानी नहीं पहुंचा। पानी की आपूर्ति न होने से सर्वाधिक परेशानी महिलाओं को उठानी पड़ रही है। वार्ड दो की पार्षद चंचल एडवोकेट की ओर से पुरजोर आवाज उठाने पर भी समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं खोजा गया है। रविवार को कालोनी के लोगों द्वारा विभागीय अधिकारियों के समक्ष अपना रोष भी जाहिर किया गया। लेकिन कोई सुधार दिखाई नहीं देता। पब्लिक हेल्थ से पानी का कनेक्शन लेने वाले, समय पर पानी का बिल भरने वाले उपभोक्ताओं को पानी उपलब्ध नहीं है, जबकि अवैध कनेक्शनधारी और बिना बिल पानी की खपत करने वालों की इस कालोनी में भरमार है। अवैध कनेक्शनधारियों की ओर से पानी की बर्बादी भी अधिक की जाती है। अनेक जगह नलों पर वाल्व तक नहीं लगाया गया है। ऐसे में वैध कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं तक पानी पहुंच ही नहीं पाता।

सिरसा। विभागीय टीम अवैध कनेक्शन काटती। *फोटो : हरिभूमि*

कहां गए एमपी कोटे वाले टैंकर ?

सांसद कोष से दर्जनों पानी के टैंकर बनाए गए और बांटे गए, लेकिन पेयजल किल्लत के समय ऐसे टैंकर कहीं दिखाई नहीं देते? न ही इनके बारे में कोई सूचना सार्वजनिक की जाती कि जरूरतमंद अमुक नंबर पर संपर्क करके कालोनी के लिए पानी की मांग कर सकें।

25 अवैध कनेक्शन काटे, 10 को नोटिस

सिरसा। जल संरक्षण एवं पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग व डब्ल्यूएसएसओ द्वारा जिले में विशेष अभियान चलाते हुए पानी की बर्बादी करने वालों तथा अवैध जल कनेक्शन धारकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। विभागीय टीमों ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निरीक्षण कर 25 अवैध पेयजल कनेक्शन काटे तथा पानी का दुरुपयोग करने वाले 10 उपभोक्ताओं को नोटिस जारी किए। विभागीय टीम ने खंड बड़ागुढ़ा के गांव अलीकां में घर-घर जाकर निरीक्षण किया। जांच के दौरान 10 ऐसे घर चिन्हित किए गए जहां पेयजल का उपयोग बागवानी एवं अन्य गैर-घरेलू कार्यों में किया जा रहा था। विभाग ने संबंधित उपभोक्ताओं को नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी कि भविष्य में पानी की बर्बादी जारी रहने पर उनके जल कनेक्शन काट दिए जाएंगे। इस दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया गया। वहीं शहर के चतरगढ़ पट्टी और प्रेम नगर क्षेत्र में जेई अश्वनी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर अवैध पेयजल कनेक्शनों की जांच की गई।

सिरसा। शिविर में किसानों को ग्वार की बिजाई के बारे में जागरुक करते हुए।

भूमि की ऊपजाउ बनाए रखने के लिए ग्वार की करें खेती: डॉ. यादव

- शिविर में क्षेत्र के 78 किसानों ने दिखाई सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

भूमि की ऊपजाउ शक्ति बनाये रखने के लिए कृषि विभाग के खंड नाथूसरी चौपटा के तत्वावधान में ग्वार विषेषज्ञ डॉ. बीडी यादव के सहयोग से गांव रामपुरा ढिल्लों में ग्वार जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ग्वार वैज्ञानिक डॉ. बीडी यादव ने बताया कि ग्वार बारानी क्षेत्रों की एक महत्वपूर्ण फसल है। खरीफ फसलों में यह एक मुख्य फसल जानी जाती है। इस गांव में ज्यादातर ग्वार की बिजाई बारिश पर आधारित है, परंतु कुछ किसान नहर के पानी की उपलब्धता होने पर पानी लगाकर ग्वार की बिजाई करते हैं। काफी ऐसे किसान हैं, जो बीटी नरमा की फसल लेकर अगले सीजन में उसी खेत में फिर बीटी नरमा लेते हैं, जिससे भूमि की उपजाऊ शक्ति घट जाती है और भूमि में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। डॉ. यादव ने किसानों से अनुरोध किया कि जमीन की सेहत को सुधारने के लिए फसल चक्र में ग्वार अवश्य रखें। खेतों में अनुसंधान के आधार पर यह नतीजा सामने आया है कि जिन खेतों में ग्वार फसल बोई गई है उसके बाद बिजाई की गई गेहूं या सरसों की फसल में 20 से 25 प्रतिशत नत्रजन की बचत होती है तथा इन फसलों की पैदावार भी अधिक मिलती है। इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि नरमा/बाजरा को ग्वार के फसल चक्र में अवश्य रखें। ग्वार विशेषज्ञ ने उखेड़ा रोग को ग्वार की एक मुख्य बीमारी बताया।

जानकारी दी

उन्होंने किसानों को बीजों के किस्म, बिजाई के उचित समय, खाद के संतुलित प्रयोग आदि की जानकारी विस्तार से दी। मुख्यातिथि डॉ. मदन सिंह ने खेती की पुरानी पद्धति छोडक़र नई तकनीक अपनाने पर विशेष जोर दिया और किसानों से आह्वान किया कि किसान कृषि वैज्ञानिकों व अधिकारियों के संपर्क में रहें, जिससे उन्हें आधुनिक तकनीक की जानकारी मिलती रहें। इस शिविर में 78 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर रजनीश, कृष्ण, संदीप, सुखदेव, जयप्रकाश, राजेंद्र, भीमसिंह, रामसिंह व अशोक आदि किसान मौजूद थे।

किसानों को प्राकृतिक खेती पर किया जागरूक

- शिविर का मुख्य उद्देश्य कृषि भूमि की उत्पादकता को बनाए रखना

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग के कारण मिट्टी की सेहत में गिरावट, आर्गेनिक कार्बन की कमी और जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शुरू किए गए खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत पूरे हरियाणा राज्य के साथ-साथ फतेहाबाद जिले में व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान 1 जून से शुरू हुआ है जोकि 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से सम्बंधित कृषि विज्ञान केंद्र फतेहाबाद के संयोजक डॉ. संतोष कुमार ने बताया कि गांवों में जागरूकता अभियान, किसान गोष्ठियां और व्यावहारिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य कृषि भूमि की उत्पादकता को बनाए रखना, फसल लागत को कम करना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना है।

फतेहाबाद। खेत बचाओ अभियान के दौरान किसानों को जागरूक करते कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

नेशनल खेलों में जिले के खिलाडियों ने मारी बाजी

- 11 स्वर्ण, एक रजत, एक कांस्य सहित 13 पदकों पर किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

संयुक्त भारतीय खेल फाऊंडेशन द्वारा धर्मशाला में बीती 5 से 7 जून तक आयोजित 14वीं नेशनल गेम्ज-2026 में श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट संतनगर के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। ट्रस्ट के सदस्य जतिंद्र सिंह ढिल्लों व कशमीरा सिंह खंब ने संयुक्त रूप से बताया कि इस प्रतियोगिता में मनमीत कौर ने गोल्डन हैट्रिक, गुरशब्द सिंह 2 गोल्ड , परनीत कौर गोल्ड मेडल, ऐशविंदर सिंह गोल्ड मेडल और ब्रॉन्ज मेडल , अमरजीत सिंह गोल्ड मेडल, जानवी गोल्ड मेडल, हरगुन कौर गोल्ड मेडल (अंडर-11), सहजदीप कौर सिल्वर मेडल (अंडर-11), समर सिंह गोल्ड मेडल (अंडर-13) हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर गांव संतनगर के साथ-साथ अभिभावकों का भी नाम रोशन किया।

सिरसा। पदक विजेता खिलाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

निःशुल्क प्रशिक्षण

अध्यक्ष हरपिंद्र कूका ने बताया कि श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, संतनगर की ओर से युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन कोर्ट उपलब्ध करवाए गए हैं, जहां युवाओं को अनुभवी कोचिज द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ट्रस्ट का उद्देश्य युवाओं का ध्यान नशे से हटाकर खेलों की ओर बढ़ाना था, जोकि सार्थक हो रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी यहां से प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का हुनर दिखा चुके हैं। हरप्रीत सिंह नागरा ने सभी बच्चों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी और 1 महीने के लिए बादाम की शरदाई के लिए राशि भेंट की।

सिरसा। बैठक को संबोधित करते पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

पार्टी की नीतियों, योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : मूलचंद शर्मा

सिरसा। भारतीय जनता पार्टी जिला डबवाली इकाई द्वारा संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बतौर मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री मूलचंद शर्मा ने शिरकत की। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा का संगठन उसकी सबसे बड़ी ताकत है। प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे तथा संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे। जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने और जनता के बीच पार्टी की विचारधारा एवं उपलब्धियों को पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा प्रत्येक कार्यकर्ता जिम्मेदारी से जमीनी स्तर तक पार्टी द्वारा दिया गया कार्य पहुंचना सुनिश्चित करे।

पुराने पेड़ों की आकलन प्रक्रिया पर नजर

- 40-50 साल पुराने पेड़ों के वैज्ञानिक मूल्यांकन की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭रानियां

गांव फिरोजाबाद के श्मशान घाट परिसर में पंचायती भूमि पर लगे 7 हरे-भरे बड़े वृक्षों को नुकसान पहुंचाने के मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद अब प्रारंभिक मूल्यांकन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस एफआईआर में पेड़ों की क्षति की कीमत मात्र 25 हजार रुपए दर्शाई गई है, जबकि 40 से 50 वर्ष पुराने वृक्षों की वास्तविक क्षति का आकलन इतना कम होना कई सवाल खड़े करता है। सवाल यह है कि पेड़ों के नुकसान का प्रारंभिक आकलन किस आधार पर किया। क्या इसमें वृक्षों की उम्र, प्रजाति, आकार और पर्यावरणीय महत्व को ध्यान में रखा गया या केवल सामान्य आर्थिक मूल्य के आधार पर राशि तय की गई। ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ों का मूल्य केवल लकड़ी तक सीमित नहीं होता, बल्कि उनका योगदान ऑक्सीजन, छाया, मिट्टी संरक्षण और जैव विविधता के रूप में भी महत्वपूर्ण होता है। मामले में यह भी चर्चा है कि जब प्रशासनिक स्तर पर पहले ही कार्रवाई में लंबा समय लग चुका है तो अब प्रारंभिक मूल्यांकन की निष्पक्षता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि किसी प्रभावशाली व्यक्ति के दबाव की आशंका हो तो उसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

16 माह तक फाइलों में लंबित रहा मामला

गौरतलब है कि श्मशान घाट की चारदीवारी निर्माण के दौरान ठेकेदार की लापरवाही से 7 बड़े वृक्ष जड़ से उखडऩे का मामला सामने आया था। ग्रामीणों की शिकायत के बाद जिला उपायुक्त के निर्देश पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी द्वारा गठित जांच कमेटी ने मामले की जांच की थी, जिसमें ठेकेदार को दोषी पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए, लेकिन 16 माह तक मामला फाइलों में लंबित रहा। समाचार पत्रों में मामला प्रमुखता से आने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और ग्राम पंचायत की शिकायत पर रानियां पुलिस थाने में ठेकेदार यशपाल सेतिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। तरुण क्लब के अध्यक्ष डॉ. तरसेम सिंह सैनी की ओर से यह मामला मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंचाया गया है, जिसमें पूरे प्रकरण की समीक्षा, प्रारंभिक मूल्यांकन की दोबारा जांच के आधार पर वास्तविक नुकसान तय करने की मांग की गई है।

गुरु के वचनों का पालन करने वाला है सच्चा शिष्यः पूनम भारती

सिरसा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा गांव साहुवाला में आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक सत्संग में संगत ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हुए गुरु वचनों को श्रवण किया तथा आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। साध्वी पूनम भारती ने कहा कि गुरु आज्ञा शिष्य के जीवन की आधारशिला होती है। एक सच्चा शिष्य वही है, जो हर परिस्थिति में गुरु के वचनों को सर्वोपरि मानकर उनका पालन करता है। गुरु आज्ञा का पालन करने से मन की चंचलता समाप्त होती है, जीवन में अनुशासन आता है। गुरु के बताए मार्ग पर चलकर ही शिष्य अपने जीवन को सफल, सार्थक एवं परमात्मा के निकट बना सकता है। साध्वी ने कहा कि इतिहास साक्षी है कि जिन्होंने गुरु वचनों को अपने जीवन में धारण किया, उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों को भी सहजता से पार कर लिया। गुरु की आज्ञा में चलना ही सच्ची भक्ति, सच्ची सेवा और सच्ची साधना है। जब शिष्य मनमत को त्यागकर गुरुमत को अपनाता है, तब उसका जीवन सफल होता है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में हरियाणा बना विकास का अग्रणी मॉडल : यतींद्र सिंह

सिरसा। भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट यतींद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। यतींद्र सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यों को अधिक आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया, जिसका प्रत्यक्ष लाभ हरियाणा को मिला। वर्ष 2004 से 2014 के दौरान प्रदेश को कर हस्तांतरण के रूप में 447 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ राशि 19,575 करोड़ रुपए से बढ़कर 1.07 लाख करोड़ रुपए से अधिक पहुंच गई। वर्ष 2004 से 2014 के दौरान हरियाणा को लगभग 21,564 करोड़ रुपए के अनुदान प्राप्त हुए थे, जबकि जून 2026 तक यह आंकड़ा 94,170 करोड़ रुपए से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान प्रदेश लगभग 5,576 करोड़ का 50 वर्षों के लिए ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

सम्मान गांवों के विकास मॉडल को मिली राज्यस्तरीय पहचान, सीएम करेंगे सम्मानित

मुख्यमंत्री जागृत ग्राम पुरस्कार में फतेहाबाद का डंकाः जांडलीकला और जल्लोपुर प्रदेश में प्रथम

- पंचायतों को मिलेंगे 51-51 लाख

दलबीर सिंह ⏭भूना

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री जागृत ग्राम पुरस्कार योजना में फतेहाबाद जिले की पंचायतों ने प्रदेशभर में अपनी उत्कृष्ट पहचान बनाई है। विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा घोषित परिणामों में भूना ब्लॉक की ग्राम पंचायत जांडलीकला तथा नागपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत जल्लोपुर ने अपनी-अपनी श्रेणियों में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। दोनों पंचायतों को पुरस्कार स्वरूप 51-51 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा गांवों में सामाजिक, आर्थिक एवं आधारभूत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंचायतों का चयन धरातल पर किए गए निरीक्षण के आधार पर किया गया। 5000 से अधिक आबादी वाली पंचायतों की श्रेणी में जांडलीकला ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। इस श्रेणी में चरखी दादरी जिले की झिंझर पंचायत दूसरे तथा अंबाला जिले की केसरी पंचायत तीसरे स्थान पर रही। वहीं 5000 से कम आबादी वाली पंचायतों में फतेहाबाद के नागपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत जल्लोपुर ने प्रथम स्थान पाया।

भूना। ग्राम पंचायत जांडली कला में कम्युनिटी सेंटर व भव्य बनाया गया पार्क।

इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में होगा समारोह

पुरस्कार वितरण समारोह 9 जून को पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में चयनित पंचायतों को सम्मानित करेंगे, जबकि विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। समारोह में जांडलीकला की सरपंच शीला भैरों, जल्लोपुर के सरपंच मांगेराम सहित अन्य चयनित पंचायतों के सरपंच, बीडीपीओ और ग्राम सचिव भी उपस्थित रहेंगे। जिले की इन उपलब्धियों को ग्रामीण विकास और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण माना जा रहा है।

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट ने करवाई कन्या की शादी

सिरसा। अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से रविवार को एक जरुरतमंद कन्या की शादी करवाई गई। ट्रस्ट इससे पूर्व नौ कन्याओं की शादी करवा चुका है। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि उनके पास सिरसा के इंद्रपुरी मोहल्ला से कुछ लोग आए थे। उन्होंने बताया कि उनके यहां बेटी है जिसके पिता नहीं है तो इस बारे में ट्रस्ट के सदस्यों से बात करके शादी करवाने का निर्णय लिया गया। रविवार को बेटी की शादी करवाई गई। शादी पूरे हिंदू रीति रिवाजों के साथ संपन्न करवाई गई। बगीची के सदस्यों ने बेटी की शादी में अपनी ओर से भरपूर सहयोग दिया। बच्ची को आशीर्वाद स्वरुप स्त्रीधन देकर विदा किया गया।